

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त परियोजनाओं के तकनीकी परीक्षण हेतु राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की 559वीं बैठक दिनांक 11/03/2022 को डॉ. पी.सी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें समिति के निम्नलिखित सदस्य स्वयं/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहें :-

1. श्री राघवेन्द्र श्रीवास्तव, सदस्य ।
2. प्रो. (डॉ.) रूबीना चौधरी, सदस्य ।
3. डॉ. ए.के. शर्मा, सदस्य ।
4. प्रो. अनिल प्रकाश, सदस्य ।
5. प्रो. (डॉ.) आलोक मित्तल, सदस्य ।
6. डॉ. जय प्रकाश शुक्ला, सदस्य ।
7. डॉ. रवि बिहारी श्रीवास्तव, सदस्य ।
8. श्री ए.ए. मिश्रा, सदस्य सचिव ।

सभी सदस्यों द्वारा अक्षय महोदय के स्वागत के साथ बैठक प्रारंभ करते हुए बैठक के निर्धारित एजेन्डा अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रोजेक्ट्सों का तकनीकी परीक्षण निम्नानुसार किया गया :-

**1. Case No 8236/2021 Shri Suresh Chhadodi S/o Shri Beniram Chhadodi, R/o Village - 26, Chhoti Sagor, Tehsil - Pithampur, Dist. Dhar, MP Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 3.0 ha. (Stone - 12000 cum per annum, Murrum - 20000 cum per annum) (Khasra No. 642), Village - Khandwa, Tehsil - Pithampur, Dist. Dhar (MP) Env. Consultant M/s. Apex Mintech, Udaipur.**

This is case of Stone Quarr. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site at (Khasra No. 642), Village - Khandwa, Tehsil - Pithampur, Dist. Dhar (MP) 3.0 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 486वीं दिनांक 26/02/2021 में टोर (TOR) की अनुशंसा की गई थी ।

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है ।

आज दिनांक 11/03/22 को परियोजना प्रस्तावक ऑन-लाईन और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार श्री अमित सक्सेना उपस्थित हुए । प्रस्तुतीकरण के दौरान यह पाया गया कि खदान के दक्षिण-पश्चिम दिशा में 12 मीटर पर तथा उत्तर-पश्चिम दिशा में 20 मीटर कच्चा रोड़ है तथा पश्चिम दिशा में 600 मीटर पर पक्का रोड़ (हाईवे) स्थित है । इसी प्रकार आवंटित क्षेत्र के पूर्व दिशा

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

में लगभग 800 मीटर पर बड़ा जल निकाय संजय गांधी जलाशय स्थिति है । परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस जलाशय के संरक्षण हेतु खदान क्षेत्र में गारलेंड ड्रेन तथा सेटलिंग टेक का प्रावधान किया गया है तथा वर्षाकाल में सेटलिंग टेक में सेटलिंग के पश्चात् जल का निस्तारण किया जायेगा । परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान सामाजिक कल्याण के कार्य (जैसे शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल की व्यवस्था एवं वृक्षारोपण) किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा सी.ई.आर. में शामिल किया गया है । समिति ने परियोजना प्रस्तावक को यह सलाह दी कि प्रस्तावित ई.एम.पी. में परिवहन मार्ग पर जल छिड़काव के फेरो की संख्या बढ़ा दी जाये ताकि इस खदान से धूल की समस्या न हो । पश्चात् परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना तथा वचन पत्र कि वृक्षारोपण प्रथम 02 वर्ष पूर्ण कर लिया जावेगा ।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित सी.ई.आर. योजना ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 11/03/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई, जो संतोषजनक पाई गई । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता स्टोन –12,000 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष एवं मुरुम–20,000 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 12.11 लाख एवं रिकरिंग 2.98 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 2.25 लाख :-

क्रमांक	प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
1.	ग्राम खंडवा में पीने के पानी के लिए 01 बोरवैल खुदवाया जायेगा और उचित स्थान पर टंकी बनाकर पाइपलाइन से जोड़ा जायेगा।	1,60, 000
2.	ग्राम खंडवा में साल में 02 बार चिकित्सा जाँच शिविरों का आयोजन एवं दवाओं का वितरण किया जायेगा	50, 000
3.	ग्राम खंडवा के माध्यमिक स्कूल में शुद्ध पेयजल के लिए 02 वॉटरफिल्टर लगाया जायेगा	15,000
<b>कुल योग</b>		<b>2,25, 000</b>

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3600 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

पौधों का प्रस्तावित स्थान	लगाए जाने वाले पौधों के प्रकार	मात्रा
हरित पट्टी 7.5 मीटर बैरियर जोन में	नीम, सीताफल, पीपल, कचनार, करंज, चिरोल, जंगल जलेबी, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	1000
ग्रामीणों में पौधों का वितरण	आम, जामुन, अमरुद, आंवला, अनार, निबू, कटहल, इमली एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	2000
पट्टा क्षेत्र के बाहर अप्रोच रोड के दोनों ओर (पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई - 01 मीटर)	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	600
<b>कुल योग</b>		<b>3600</b>

2. **Case No 7997/2020 Shri Sudhir Kumar Jain S/o Shri Sunder Lal Jain, Opp. Nagar Nigam, Dist. Katni, MP - 483501 Prior Environment Clearance for Dolomite Quarry in an area of 8.681 ha. (37584 cum per annum) (Khasra No. 128, 129, 130, 138, 139, 140, 141, 142P, 143, 144, 145), Village - Malhan, Tehsil - Badwara, Dist. Katni (MP) Env. Consultant M/s. In-Situ Envirotech, Bhopal .**

This is case of Dolomite Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 128, 129, 130, 138, 139, 140, 141, 142P, 143, 144, 145), Village - Malhan, Tehsil - Badwara, Dist. Katni (MP) 8.681 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 473वीं दिनांक 07/01/2021 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी ।

आज दिनांक 11/03/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री सुधीर जैन और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार श्री अजय मोहन उपस्थित हुए । प्रस्तुतीकरण के दौरान यह पाया गया कि खदान के बीच से एक रोड़ निकल रहा है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि कलेक्टर द्वारा इस कच्चे रोड़ को डायवर्सन हेतु आदेश दिया गया है तथा अब यह रोड़ लीज के उत्तर क्षेत्र से होकर निकाली जाना प्रस्तावित है। परियोजना प्रस्तावक यह भी बताया कि यह कोई पब्लिक रोड़ नहीं है यह पूर्वी दिशा में स्थित एक अन्य खदान का पहुच मार्ग है जिसके लिये वैकल्प मार्ग भी

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

उपलब्ध है। चूंकि हमारी खदान पर काफी समय से कोई कार्य नहीं किया जा रहा है इसलिए यह रास्ता बना लिया गया है। परीक्षण के दौरान यह पाया गया कि आवेदित क्षेत्र वन सीमा से 45 मीटर की दूरी पर है किंतु संभागायुक्त कार्यालय के पत्र क्रमांक 872 दिनांक 11/6/20 में यह उल्लेखित है कि खदान वर्ष 2002 के पूर्व की है अतः अनापत्ती प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि परियोजना क्षेत्र में 152 पेड़ हैं जो प्रमुखतः पलाश के हैं, जिसमें 40 पेड़ काटे जावेंगे एवं एवज में 10 गुना अर्थात् 400 पेड़ लगाये जायेंगे तथा कुल वृक्षरोपण में 12000 वृक्ष लगाये जायेंगे। समिति की सलाह मानते हुए परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन क्षेत्र में स्थापित महुआ, बरगदा और पीपल के 10-12 वृक्ष नहीं काटे जायेंगे। परियोजना प्रस्ताव ने बताया कि डोलोमाइट खनिज होने के कारण इस प्रकरण यदा-कदा ब्लास्टिंग की जायेगी। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान सामाजिक कल्याण के कार्य (पीने के पानी की व्यवस्था, बच्चों के विद्यालय, मलहान गांव से आम गांव तक की पक्की रोड़, स्टाप डेम एवं बिजली की व्यवस्था इत्यादि) किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उपलब्ध वित्तीय संसाधनों के तहत संभव कार्यों को उनके द्वारा सी.ई.आर. में शामिल किया गया है। प्रस्तुतीकरण पश्चात् परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए:-

- ✓ प्रस्तावित खदान क्षेत्र को गूगल मैप पर Superimpose करके दिखाये।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना, जिसमें 1200 अतिरिक्त पेड़ लगाये जाने का प्रस्ताव हो।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित ई.एम.पी. योजना।
- ✓ पुनरीक्षित जल खपत योजना।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 11/03/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई, जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता डोलोमाइट-37,584 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 26.01 लाख एवं रिकरिंग 07.51 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 05.75 लाख :-

क्रं.	जन सुनवाई आधारित सीईआर गतिविधियां	राशि रु. में
01	स्कूल और ग्राम पंचायत के पास सड़क का विकास एवं रख-रखाव।	2,00,000

**559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 11 मार्च 2022**

02	मालहान गाँव के स्कूल में कम्प्यूटर एवं प्रिंटर ।	50,000
03	गाँव मालहान में 05 साल के पैकड फूड उपलब्ध कराये जायेंगे एवं मदों का चयन महिला बाल विकास अधिकारी से प्राप्त निर्देशों के अनुसार किया जायेगा ।	1,25,000
04	सरकारी योजना के तहत 10-15 खदान श्रमिकों के लिए उज्जवला योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन प्राप्त करने के लिए मदद करेंगे ।	
05	ग्राम मालहान तथा समीपस्थ ग्रामीणों के लिए वर्ष में 02 चिकित्सा शिविर का आयोजन ।	1,00,000
06	ग्राम मालहान के ग्रामीणों के लिए गर्मी के मौसम वाटर टैंकर की सुविधा उपलब्ध करायेंगे ।	1,00,000
<b>योग</b>		<b>5,75,000</b>

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 12,000 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

S.N.	Proposed Plantation Site	Plant Species	Quantity (Numbers)
1	बैरिअर ज़ोन एवं नॉन माईनिंग ज़ोन में वृक्षारोपण	सिस्सू, नीम, महुआ, पीपल, बरगद, खमैर, चिरौल, बबूल, सीताफल, करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ। (महुआ कम से कम 1000, बरगद-100, पीपल-100) तथा नॉन माईनिंग ज़ोन में महुआ, तेंदू एवं नीम के बीज रोपे जाये ।	5500
2	आवागमन सड़क पर वृक्षारोपण (पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई - 01 मीटर)	नीम, पीपल, चिरौल, करंज, महुआ, कचनार, सेजा, धुला एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड सहित ।	3500
3	विद्यालय में वृक्षारोपण	कदम, अमलतास, अशोक, नीम, पुत्ररंजीवा, कचनार एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	500
4	ग्रामवासियों	आम, आँवला, सीताफल, मुनगा, नीबू, नीम, एवं अन्य फलदार स्थानीय प्रजातियाँ ।	2500
<b>Total</b>			<b>12000</b>

**559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 11 मार्च 2022**

**3. Case No 8590/2021 Shri Vivek Tiwari S/o Shri Rambahadur Tiwari, 565, Vijay Nagar, Ghadi Chowk, Baldeobagh, Dist. Jabalpur, MP – 482002 Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 4.0 ha. (50000 cum per annum) (Khasra No. 212 (Part)), Village - Hathkhoh, Tehsil - Devri, Dist. Sagar (MP) Env. Consultant M/s. In-Situ Envirotech, Bhopal .**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 212 (Part)), Village - Hathkhoh, Tehsil - Devri, Dist. Sagar (MP) 4.0 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 507वीं दिनांक 10/08/2021 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी ।

आज दिनांक 11/03/22 को परियोजना प्रस्तावक ऑन लाईन और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार श्री अजय मोहन उपस्थित हुए । प्रस्तुतीकरण के दौरान यह पाया गया कि खदान के पूर्व दिशा में 30 मीटर पर तथा दक्षिण-पूर्व दिशा में 25 मीटर पर कच्चा रोड़ है । परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि यह कच्चा रोड़ आस-पास स्थित अन्य खदानों का पहुच मार्ग है । इस खदान की जनसुनवाई के दौरान धूल से प्रदूषण, विस्फोट से क्षति एवं सामाजिक कल्याण के कार्य (पीने के पानी की सुविधा) किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा सी.ई.आर. में शामिल किया गया है । समिति प्रस्तुतीकरण के दौरान यह पाया गया कि जन सुनवाई में धूल से प्रदूषण होने की बात उठाई गई है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि उनके द्वारा अभी उत्खनन का कार्य नहीं किया गया है अतः यह समस्या क्षेत्र में स्थित अन्य खदानों के कारण हो रही होगी। समिति ने परियोजना प्रस्तावक को यह सलाह दी कि प्रस्तावित ई.एम.पी. में परिवहन मार्ग पर जल छिड़काव के फेरो की संख्या बढ़ा दी जाये ताकि इस खदान से आस-पास के रहवासियो को धूल से समस्या न हो तथा मफल ब्लास्टिंग की जाये। पश्चात् परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना ।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित ई.एम.पी. योजना ।
- ✓ पुनरीक्षित जल खपत योजना ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 11/03/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई, जो संतोषजनक पाई गई । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन— 50,000 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष ।

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 15.58 लाख एवं रिकरिंग 05.78 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 04.50 लाख :-

क्रं.	सी.ई.आर. मदद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
01	स्कूल एवं ग्राम पंचायत के पास सड़क का विकास और रखरखाव	1,50,000
02	ग्राम हथखोह के आंगनवाड़ी केंद्र में पोषण आहार का वितरण	1,00,000
03	ग्राम हथखोह के ग्रामीणों के लिए वर्ष में 02 चिकित्सा सेवा	1,00,000
04	ग्राम हथखोह के ग्रामीणों हेतु गर्मी के मौसम में वाटर टैंकर द्वारा पेय जल सुविधा ।	1,00,000
		4,50,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 5000 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

S.N.	Proposed Plantation Site	Plant Species	Quantity (Numbers)
1	बैरिअर ज़ोन में वृक्षारोपण	नीम, करंज , कचनार , महुआ, आम , सु-बबूल , पीपल, चिरोल, जंगल जलेबी, बबूल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	900
2	आवागमन सड़क पर वृक्षारोपण (पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई – 01 मीटर)	नीम, करंज , कचनार , महुआ, आम, पीपल व एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	1600
3	स्कूल एवं ग्राम पंचायत के पास तथा ग्राम से पहुंच मार्ग तक वृक्षारोपण	नीम, करंज, कचनार, कदम एवं स्थानीय प्रजातियाँ ।	2000
4	ग्रामवासियों को पौधों का वितरण	आम, आवला, सीताफल, मुनगा, नींबू व नीम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	500
Total			5000

**559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 11 मार्च 2022**

**4. Case No 9049/2022 Shri Dusyant Patidar, Onwer, 60/2 Azad Chauk, Ranthbhanwar Berchha, Dist. Shajapur, MP - 465110, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.0 ha. (5000 cum per annum) (Khasra No. 42/1, 42/2, 42/3), Village - Kanheriya Khedi, Tehsil - Shajapur, Dist. Shajapur (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 42/1, 42/2, 42/3), Village - Kanheriya Khedi, Tehsil - Shajapur, Dist. Shajapur (MP) 1.0 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 11/03/22 को परियोजना प्रस्तावक ऑन लाईन उपस्थित हुए । परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पर्यावरण प्रबंधन मैनेजमेंट योजना, पी.एफ.आर। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, एकल प्रमाण-पत्र (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 22 दिनांक 12/01/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है । परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लान के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान स्थल के पश्चिम दिशा में 25 मीटर पर कच्चा रोड़ तथा दक्षिण दिशा में 40 मीटर पर एवं पूर्व दिशा में 135 मीटर पर मौसमी नाला हैं जिसके संरक्षण हेतु खदान क्षेत्र में गारलैंड ड्रेन तथा सेटलिंग टेक का प्रावधान किया गया है तथा वर्षाकाल में सेटलिंग टेक में सेटलिंग के पश्चात् जल का निस्तारण किया जायेगा । दक्षिण दिशा में 10 मीटर का सेट-बैंक छोड़ जावेगा । प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनिज उत्खनन के दौरान आवंटित क्षेत्र में एक पेड़ है जिसके काटे जाने का प्रस्ताव नहीं है । अतः प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना ।
- ✓ दक्षिण दिशा में 10 मीटर का सेट-बैंक दिखाते हुए सरफेस मैप ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 11/03/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन- 5000 मी.3 प्रति वर्ष ।



**559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 11 मार्च 2022**

2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 07.57 लाख एवं रिक्रिंग 02.72 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.20 लाख :-

आगमी 01 वर्ष तक	सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
	ग्राम कन्हैरिया खेड़ी के शासकिय विद्यालय में रंग-रोगन (पुताई) का कार्य करवाया जाएगा ।	20,000/-
	योग	20,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1200 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	वृक्षारोपण हेतु नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा(संख्या में)
1	बैरियर जोन में	चिरोल, नीम, सीताफल, जंगल जलेबी, सिस्सू, पीपल, सफेद केस्टर, करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	600
2	परिवहन मार्ग में (पेडो की न्यूनतम ऊचाई – 01 मीटर)	करंज, सप्तपर्णी, चिरोल, जंगल जलेबी, नीम, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री-गार्ड के साथ	100
3	ग्राम रंथभवर में स्थित स्टेडियम के परिसर में	मोलश्री, पुत्रंजीवा, कचनार, कदम्ब करंज, चिरोल, नीम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	310
4	ग्राम कन्हैरिया खेड़ी में ग्रामवासियों एवं पंचायत से परामर्श लेकर	जंगल जलेबी, हर्रा, करंज, आवला, महुआ, नीम, चिरोल, पीपल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	200
		योग	1200 पौधे

5. **Case No 9050/2022 Smt. Balviri W/o Shri Vikram Singh, Kankatpura, Karola, Joura, Tehsil - Bamore, Dist. Morena, MP - 470444, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 3.0 ha. (10120 cum per annum) (Khasra No. 438, 439), Village - Majra, Tehsil - Joura, Dist. Morena (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 438, 439), Village - Majra, Tehsil - Joura, Dist. Morena (MP) 3.0 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

आज दिनांक 11/03/22 को परियोजना प्रस्तावक ऑन लाईन लाईन उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पर्यावरण प्रबंधन मैनेजमेंट योजना, पी.एफ.आर। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, एकल प्रमाण-पत्र (खजिन शाखा) पत्र क्रमांक 153 दिनांक 09/02/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान स्थल के पूर्व दिशा में 220 मीटर पर रोड़ है, उत्तर दिशा में 530 मीटर पर तथा पश्चिम दिशा में 150 मीटर पर आबादी है जिस हेतु 50 मीटर का सेट-बैक आवंटित लीज क्षेत्र में छोड़ा जाना होगा। 150 मीटर पर जल भराव क्षेत्र हैं। प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति द्वारा पश्चिम दिशा में आबादी होने के कारण 50 मीटर का सेट-बैक छोड़े जाने निर्देश दिये। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना।
- ✓ पश्चिम दिशा में आबादी होने के कारण 50 मीटर का सेट-बैक छोड़ जाने हेतु वचन-पत्र।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 11/03/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन -10,120 मी.3 प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कंपीटल राशि रु. 09.85 लाख एवं रिकरिंग 04.17 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.55 लाख :-

क्र.	सी. ई. आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु में
1	ग्राम मजरा के आंगनवाड़ी केंद्र में पोषण आहार का वितरण	26,000/-
2	मजरा के स्कूल में छात्रों को खेल किट का वितरण	14,000/-
3	किसानों को गुगल पेड का वितरण और वृक्षारोपण व रखरखाव का प्रशिक्षण	10,000/-
4	ग्राम मजरा में महामारी में आवश्यक सावधानियों के लिए ग्रामीणों को स्वच्छता किट (हैंड सैनिटाइज़र, हैंड ग्लव्स और नाक का मुखौटा) के रूप में वितरण और प्रशिक्षण	5,000/-

**559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 11 मार्च 2022**

	योग	55,000/
--	-----	---------

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3600 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

वृक्षारोपण हेतु नियत स्थान	पौधों की प्रजातियां	मात्रा (संख्या में)
बैरियर जोन	नीम, खमेर, कचनार, शीशम, खैर, सीताफल, चिरोल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	600
परिवहन मार्ग (पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई – 01 मीटर)	नीम, खमेर, कचनार, अमलतास, शीशम, चिरोल, पुत्ररनजीवा, मोलश्री एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	290
ग्रामीणों को पौधे बांटे	आम, नीबू, आँवला, जामुन, महुआ, कटंग बॉस, गुग्गल, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ गाँव वालों की इच्छानुसार।	2710
योग		3600

**6. Case No 9051/2022 Smt. Laxmi Devi Yadav, Lessee, Ward No. 13, Khargapur, Dist. Tikamgarh, MP - 472115, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 3.0 ha. (40000 cum per annum) (Khasra No. 1, 17/1/1, 17/1/2), Village - Sujanpura Udad, Tehsil - Baldeogarh, Dist. Tikamgarh (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1, 17/1/1, 17/1/2), Village - Sujanpura Udad, Tehsil - Baldeogarh, Dist. Tikamgarh (MP) 3.0 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 11/03/22 को परियोजना प्रस्तावक ऑन लाईन उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पर्यावरण प्रबंधन मैनेजमेंट योजना, पी.एफ.आर। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 2952 दिनांक 18/02/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

श्रेणी के अंतर्गत आता है । परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान स्थल के उत्तर दिशा में 300 मीटर पर एवं उत्तर-पश्चिम दिशा में 235 मीटर पर कच्चा रोड़, दक्षिण-पश्चिम दिशा में 98 मीटर पर प्राकृतिक नाला, दक्षिण-पूर्व दिशा में 410 मीटर पर आबादी है तथा 310 मीटर पर जलाशय है । प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि स्वीकृत खदान के दक्षिण एवं उत्तर दिशा में कुछ पेड़ हैं जो 7.5 मीटर के वेरियर जोन में आ रहे हैं अतः पेड़ काटे जाने का प्रस्ताव नहीं है। तथा प्राकृतिक नाला के संरक्षण हेतु खदान क्षेत्र में गारलैंड ड्रेन तथा सेटलिंग टेक का प्रावधान किया गया है तथा वर्षाकाल में सेटलिंग टेक में सेटलिंग के पश्चात् जल का निस्तारण किया जायेगा । प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि वृक्ष अच्छादित क्षेत्र को नॉन माईनिंग मानते हुए छोड़ा गया है । प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना ।
- ✓ वृक्ष अच्छादित क्षेत्र को नॉन माईनिंग मानते हुए पुनरीक्षित सरफेस मैप ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 11/03/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 40,000 मी.3 प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 18.61 लाख एवं रिकरिंग 04.72 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.90 लाख :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम सुजनपुरा उगाद के शासकीय प्राथमिक स्कूल में पानी की टंकी चेंज साथ में पाइप फिटिंग और शौचालय की मरम्मत ।	80,000
ग्राम सुजनपुरा उगाद के शासकीय प्राथमिक स्कूल में 20 छायादार वृक्षों (कदम्ब, कचनार, करंज, बहुनिया एवं अन्य प्रजातियाँ ) को ट्री गार्ड के साथ लगाना	10000
योग	86,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3600 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

प्रस्तावित वृक्षारोपण हेतु नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
---------------------------------------	---------------------	---------------------

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

बैरियर जोन	सिस्सू, नीम, पीपल, करंज, खमेर, चिरोल, कुम्भी, बीजा, शीशम, दहिमन एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1500
परिवहन मार्ग(पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई – 01 मीटर)	पुत्रन्जीवा, मौलश्री, कदम्ब, नीम, पीपल, चिरोल, कचनार, कुम्भी, बीजा, शीशम, दहिमन एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड के साथ	300
ग्राम पंचायत भवन एवं आंगनवाड़ी केंद्र	कदम, नीम, कचनार, गुलमोहर, अशोका, पुतरनजीवा, मौलश्री, कुम्भी, बीजा, शीशम, दहिमन एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	1000
ग्रामवासियों में वितरण हेतु	इमली, सीताफल, आवंला, नीबू, बेल, आम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	800
योग		3600

**7. Case No 9052/2022 Smt. Prem Devi Yogi, Banpur Darwaja, Behind Shankar Ji Mandir, Tehsil Mohangarh & Dist. Tikamgarh, MP - 472001 Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.70 ha. (50000 cum per annum) (Khasra No. 29/5/3), Village - Kesharmarh, Tehsil - Mohangarh, Dist. Tikamgarh (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 29/5/3), Village - Kesharmarh, Tehsil - Mohangarh, Dist. Tikamgarh (MP) 1.70 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 11/03/22 को परियोजना प्रस्तावक ऑन लाईन उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पर्यावरण प्रबंधन मैनेजमेंट योजना, पी.एफ.आर। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, एकल प्रमाण-पत्र (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 2744 दिनांक 31/12/2021 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान स्थल के पश्चिम दिशा में 120 मीटर पर जल भराव क्षेत्र है एवं उत्तर-पूर्व दिशा में 140 मीटर पर रोड़ है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनिज उत्खनन के दौरान आवंटित क्षेत्र में 15 पेड़ हैं जिसमें से अधिकांश 7.5 मीटर के बैरियर जोन में हैं तथा 07 पेड़ काटे जाने का प्रस्ताव है जिसके एवज में 70 अतिरिक्त पेड़ों का प्रावधान वृक्षारोपण योजना में किया गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 11/03/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता स्टोन – 50,000 मी.3 प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 13.81 लाख एवं रिकरिंग 04.25 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.90 लाख :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम गोर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल में कम्प्यूटर, प्रिन्टर, टेबल के साथ और 2 आलमारी लाइब्रेरी के लिए।	80,000
ग्राम गोर के शासकीय प्राथमिक स्कूल में 20 छायादार वृक्षों (कदम्ब, कचनार, करंज, बहुनिया एवं अन्य प्रजातियों ) को ट्री गार्ड के साथ लगाना	10000
योग	90,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्रं.	वृक्षारोपण	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन	सिस्सू, बॉस, नीम, पीपल, करंज, जंगल जलेबी, चिरोल, सीताफल, कुम्भी, बीजा, शीशम, दहिमन एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	10,00
2	परिवहन मार्ग (पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई – 01 मीटर)	पुत्रन्जीवा, मौलश्री, कदम्ब, नीम, पीपल, चिरोल, कचनार, दहिमन एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड के साथ	300
3	ग्रामवासियों में वितरण हेतु	मुनगा, सीताफल, आवंला, नीबू, बेल, पीपता, आम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	800
6	ग्राम पंचायत भवन एवं आंगनबाड़ी केंद्र	कदम्ब, नीम, कचनार, गुलमोहर, अशोका, पुतरनजीवा, मौलश्री एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	1000
योग			3400

**559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 11 मार्च 2022**

**8. Case No 9053/2022 Smt. Vinod Singh Yadav W/o Shri Pratap Narayan Yadav, Village - Para Khas, Post - Amarpur, Tehsil & Dist. Tikamgarh, MP - 472001 Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 3.0 ha. (90000 cum per annum) (Khasra No. 1564), Village - Chauka, Tehsil - Chhatarpur, Dist. Chhatarpur (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1564), Village - Chauka, Tehsil - Chhatarpur, Dist. Chhatarpur (MP) 3.0 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 11/03/22 को परियोजना प्रस्तावक ऑन लाईन उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पर्यावरण प्रबंधन मैनेजमेंट योजना, पी.एफ.आर। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, एकल प्रमाण-पत्र (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 176 दिनांक 03/02/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान स्थल के उत्तर दिशा में 160 मीटर पर एवं दक्षिण दिशा में 100 मीटर पर कच्चा रोड़ तथा दक्षिण दिशा में 95 मीटर पर प्राकृतिक नाला हैं। प्राकृतिक नाला के संरक्षण हेतु खदान क्षेत्र में गारलेंड ड्रेन तथा सेटलिंग टेक का प्रावधान किया गया है तथा वर्षाकाल में सेटलिंग टेक में सेटलिंग के पश्चात् जल का निस्तारण किया जायेगा। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनिज उत्खनन के दौरान आवंटित क्षेत्र में कोई पेड़ काटे जाने का प्रस्ताव नहीं है। अतः प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 11/03/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन-90,000 मी.3 प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 07.16 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 01.14 लाख प्रति वर्ष।

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 1.10 लाख :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम चौका के शासकीय नवीन माध्यमिक शाला चौका के स्कूल में 2 कम्प्यूटर, प्रिन्टर, टेबल के साथ और 1 आलमारी, लाइब्रेरी के लिए।	100000
ग्राम चौका के शासकीय प्राथमिक स्कूल में 20 छायादार वृक्षों (कदम्ब, कचनार, करंज, बहुनिया एवं अन्य प्रजातियों ) को ट्री गार्ड के साथ लगाना	10000
योग	1,10,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	वृक्षारोपण	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन	सिस्सू, नीम, पीपल, करंज, खमेर, चिरोल, सीताफल, महुआ, कुम्भी, बीजा, शीशम, दहिमन एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1500
2	परिवहन मार्ग(पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई – 01 मीटर)	पुत्रन्जीवा, मौलश्री, कदम्ब, नीम, पीपल, चिरोल, कचनार, कुम्भी, बीजा, शीशम, दहिमन एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड के साथ	300
3	ग्रामवासियों में वितरण हेतु	इमली, सीताफल, आवंला, नीबू, महुआ, बेल, आम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	800
4	ग्राम पंचायत भवन एवं आंगनबाड़ी केंद्र	कदम, नीम, कचनार, गुलमोहर, अशोका, पुतरनजीवा, मौलश्री, कुम्भी, बीजा, शीशम, दहिमन एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	1000
योग			3400

9. **Case No 8666/2021 Smt. Boota Singh W/o Shri Rajdhar Singh, Village - Ramathan, Tehsil - Raghurajnagar, Dist. Satna, MP Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 3.970 ha. (25000 cum per annum) (Khasra No. 966/2/KHA/1(P), 966/2/KA/1(P), 966/1/GA/1(P), 966/2/KA/3(P), 966/2/KA/2(P)), Village - Ramasthan, Tehsil - Raghurajnagar, Dist. Satna (MP). Env. Consultant M/s. Aseries Envirotech India Pvt. Ltd. Noida, U.P.**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 966/2/KHA/1(P), 966/2/KA/1(P),



## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

966/1/GA/1(P), 966/2/KA/3(P), 966/2/KA/2(P)), Village - Ramasthan, Tehsil - Raghurajnagar, Dist. Satna (MP) 3.970 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

The case was presented by Env. Consultant Shri Amar Singh Yadav from M/s. Aseries Envirotech India Pvt. Ltd. Noida, U.P. behalf of PP. During presentation, PP showed various documents such as lease sanction order, Janpad Panchyat NOC, DFO NOC, Tehsildar Certificate, MO Certificate, Approved Mine Plan, Khasra Panchshala, P-II, DSR & PFR for appraisal of project before the committee. It was observed by Committee that as per Collector Office (Ekal Praman-Patra) letter No. 3172 dated 15.02.21 has reported that there are 01 more mine operating or proposed within 500 meters around the said mine with total area of 4.990 ha., including this mine. As per Google image based on coordinates provided by PP, Within 500 meters following sensitive features were observed of the lease area:

Sensitive Features	Approximate aerial distance from the lease area in meters	Direction	Remarks
Kachha Road	60	East	Controlled blasting with arrangements of sand bags and three rows of Plantation towards road side.
Human settlement	210 & 380	SE & West	Provision of controlled blasting with arrangements of sand bags and three rows of Plantation towards this side in the EIA report .
04 Trees	Within lease	-	PP submitted that 02 trees are within lease and 02 trees are outside the lease, no tree felling is proposed.

During presentation as per Google image it was observed by committee that 02 more mine are in existence within 500 meters around the said mine while as per Collector Office (Ekal Praman-Patra) letter No. 3172 dated 15.02.21 only one mine is reported within 500 meters around the said mine hence, committee asked PP to obtain M.O. clarification on this issue for further consideration of this case.

एसईएसी द्वारा 518वीं बैठक दिनांक 08/10/21 में वांछित जानकारी को परियोजना प्रस्तावक द्वारा काफी लंबे समय से प्रस्तुत नहीं किये जाने के कारण समिति की 534वीं बैठक दिनांक 15/12/21 को Delist सिया को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया ।

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) की 698 बैठक दिनांक 28/12/2022 में निर्णय लिया गया :-

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

“उक्त प्रकरण में एसईएसी द्वारा 518वीं बैठक दिनांक 08/10/21 में मांगी गई जानकारी को परियोजना प्रस्तावक द्वारा काफी लंबे समय से प्रस्तुत नहीं किया गया है। अतः प्रकरण को Delist किया जाये व परियोजना प्रस्तावक को सूचित किया जाये ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्र दिनांक 19/1/22 के साथ 500 मीटर स्थित अन्य खदानों की वस्ताविक स्थिति के संबंध कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) सतना का पत्र क्र. 3057 दिनांक 10/12/21 प्रस्तुत कर उक्त प्रकरण को Relist करने का अनुरोध किया गया है । प्राधिकरण द्वारा परियोजना प्रस्तावक के अनुरोध को मान्य करते हुए उक्त प्रकरण को Relist किया जाये ।”

आज दिनांक 11/03/22 को परियोजना प्रस्तावक ऑन लाईन उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सतना के पत्र क्रमांक 3057 दिनांक 10/12/2021 के अनुसार स्वीकृत किया गया है कि पूर्व में दिये गये सहायक मानचित्रकार के प्रतिवेदन में स्वीकृत क्षेत्र के 500 मीटर की परिधि में सदृश (Homogenous) खनिज का 01 उत्खनिपट्टा 1.020 हे. क्षेत्र का होना लेख किया गया था । गुगल मैप में स्वीकृत क्षेत्र से 500 मीटर की परिधि में अन्य 02 खदान दिखई देती है । जिनके संबंध में कार्यालय उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार स्वीकृत क्षेत्र के 500 मीटर की परिधि में गुगल मैप के आधार पर परीक्षण किया गया । जिसके अनुसार 02 अन्य मुख्य खनिज के खनिपट्टा स्वीकृत है, जो कि Homogenous खनिज नहीं है । इस प्रकार 500 मीटर की परिधि में एक खदान के कारण कुल रकबा 4.990 हे. होता है अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है । परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लान के अक्षांश-देशांश के आधार पर गुगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान स्थल के पूर्व दिशा में 60 मीटर पर कच्चा रोड, दक्षिण-पूर्व दिशा में 210 मीटर तथा पश्चिम दिशा में 380 मीटर पर आबादी हैं। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनिज उत्खनन क्षेत्र में 04 पेड है जिसमें से 02 को काटे जाने का प्रस्ताव है जिसके एवज में 20 पेड अतिरिक्त लगाये जायेंगे जिसका प्रावधान प्रस्तावित वृक्षारोपण योजना में किया गया है । प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 11/03/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन -25,000 मी.3 प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 07.16 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 01.14 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.90 लाख :-

**559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 11 मार्च 2022**

क्र.	सी.ई.आर. मदद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
01	ग्राम रामस्थान में 2000 लीटर ओवरहेड टैंक के साथ उचित पानी चैनलाइजेशन सिस्टम प्रदान किया जाएगा।	40,000
02	ग्राम रामस्थान के ऑगनवाड़ी केन्द्र पोषण आहार का वितरण।	50,000
योग		90,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4770 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	वृक्षारोपण	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन	सिस्सू, नीम, कदंब, महुआ, जंगल जलेबी, चिरौल, सीताफल, खमैर एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	2200
2	परिवहन मार्ग (पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई - 01 मीटर)	शीशम, नीम, खमैर, करंज, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ, ट्री गार्ड सहित।	1400
3	ग्रामवासियों में वितरण हेतु	इमली, आंवला, सीताफल, आम, मुनगा एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	1170
योग			4770

- 10. Case No 8941/2022 M/s Padmanabh Developers, Shri Rajesh Patidar, Partner, Office No. 01 at adjoining Gujrati Colony, Behind Tilak Nagar Colony, Bawadia Kalan, Tehsil - Huzur, Dist. Bhopal, MP - 462042 Prior Environment Clearance for Proposed "18th Avenue" High Rise Residential and Commercial Apartment at Village - Bawadia Kalan, Tehsil - Huzur, Dist. Bhopal (MP) Cat. - 8(a). Env. Global Management and Engineering Consultant International, Jaipur (Raj.)**

This is case of Prior Environment Clearance for Proposed Proposed "18th Avenue" High Rise Residential and Commercial Apartment at Village - Bawadia Kalan, Tehsil - Huzur, Dist. Bhopal (MP).

**559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक  
दिनांक 11 मार्च 2022**

The case was recommended for grant of EC in SEAC meeting 548<sup>th</sup> dated 10/02/2022. This case was discussed in 708<sup>th</sup> SEIAA meeting dated 24/2/22 where in it is recorded that :-

*“The case was discussed in SEAC meeting 548<sup>th</sup> dated 10/02/2022 and after presentation and deliberations PP was asked to submit following information for further consideration of the project.*

- *PP will submit revised calculation of solid waste generation.*
- *Built-up area in the proposal was differed, so kindly clarify.*
- *Commitment from PP for adoption of an animal from Van Vihar National Park, Bhopal.*

*However without submission of above information SEAC has recommended the case for issue of EC”.*

The case was discussed in today's meeting wrt to the observation made by SEIAA that “without submission of above information SEAC has recommended the case for issue of EC”, which is not true because in all the cases, where replies are sought from PP are discussed within the meeting and if PP submits the reply same day then only after careful review/examination, decision is taken unanimously. All the replies submitted by PP are appended with the presentation and sent to SEIAA for onward consideration. In this case, it was observed by committee that hard copy of reply was submitted by PP vide letter dated 10/02/22 which was discussed and only after satisfactory response the case was recommended for grant of EC. For faster disposal of cases as per the mandate, the PP are permitted to submit response/replies in hard copies same day and if they fail to do so, ADS is issued online. Committee after deliberations decided that the copy of reply submitted by PP may again be sent to SEIAA and stands by its recommendations made in 548<sup>th</sup> SEAC meeting dated 10/02/2022.

**11. Case No 9054/2022 Shri Mayank Tripathi S/o Shri Kashi Prasad Tripathi, Village & Post - Bara Khas, Tehsil - Bara, Dist. Prayagraj, UP - 486223, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.887 ha. (24800 cum per annum) (Khasra No. 72/2 Part), Village - Khamara Kala, Tehsil - Teonthar, Dist. Rewa (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 72/2 Part), Village - Khamara Kala, Tehsil -

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

Teonthar, Dist. Rewa (MP) 1.887 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 11/03/22 को परियोजना प्रस्तावक ऑन लाईन उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पर्यावरण प्रबंधन मैनेजमेंट योजना, पी.एफ.आर। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, एकल प्रमाण-पत्र (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 5836 दिनांक 01/10/2021 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई 01 खदान स्वीकृत है, जिसका कुल रकबा 3.887 हे. है अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान स्थल के पूर्व दिशा में 50 मीटर एवं पश्चिम दिशा में 500 मीटर पर रोड़ तथा दक्षिण एवं पूर्व दिशा में 200 मीटर पर आबादी है प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनिज उत्खनन के दौरान आवंटित क्षेत्र में कोई पेड़ काटे जाने का प्रस्ताव नहीं है एवं अनुमोदित खनन योजना अनुसार इस प्रकरण में ब्लास्टिंग प्रतिबंधित है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 03/03/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 24,800 मी.3 प्रति वर्ष।
2. अनुमोदित खनन योजना अनुसार उत्खनन ब्लास्टिंग के माध्यम से नहीं किया जावेगा।
3. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 7.83 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 4.55 लाख प्रति वर्ष।
4. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.50 लाख :-

आगामी 01 वर्ष तक	सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
	ग्राम खम्हरा कला में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र को पोषण आहार उपलब्ध कराने के लिए 1 वर्ष के लिए गोद लिया जावेगा	50,000/-
	योग	50,000/-

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

5. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2270 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण हेतु नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	सीताफल, जंगल जलेबी, सिस्सू, पीपल, सफ़ेद केस्टर, चिरोल, नीम, करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1170 पौधे
2	परिवहन मार्ग में (पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई - 01 मीटर)	करंज, सप्तपर्णी, चिरोल, जंगल जलेबी, पुत्रंजीवा, नीम, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री-गार्ड के साथ	100 पौधे
3	प्रस्तावित गैर खनन क्षेत्र में	मोलश्री, पुत्रंजीवा, कचनार, कदम्ब करंज, चिरोल, नीम, जलेबी, करंज, आवला एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1000 पौधे
		कुल वृक्षारोपण	2270 पौधे

- 12. Case No 8828/2021 M/s VDH Eco-Energy Enterprises Pvt. Ltd, Director Shri Yashvardhan Rajgadha, 503, Jolly Bhavan No. 1, New Marine Line, Dist. Mumbai, Mah Prior Environment Clearance for Marble Quarry in an area of 7.310 ha. (22500 Cum per annum) (Khasra No. 692, 693, 692/826, 691, 687, 688, 695), Village - Nimas, Tehsil - Bahoriband, Dist. Katni (MP) Env. Consultant M/s. Amaltas Enviro Industrial Consultants LLP, Gurugram .**

This is case of Marble Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 692, 693, 692/826, 691, 687, 688, 695), Village - Nimas, Tehsil - Bahoriband, Dist. Katni (MP) 7.310 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 533वीं दिनांक 14/12/2021 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी ।

आज दिनांक 11/03/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री प्रभास कुमार राजगढ़िया और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए । प्रस्तुतीकरण के दौरान यह पाया गया कि खदान के दक्षिण-पूर्व क्षेत्र में एक पुराना पिट है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि यह बहुत पुराना पिट है जिसमें वर्षा का पानी भर जाता है तथा इसी पानी का उपयोग जल छिडकाव हेतु किया जाना प्रस्तावित है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

जनसुनवाई के दौरान सामाजिक कल्याण के कार्य (जैसे आंगनवाड़ी में बच्चों को बस्ता एवं कुर्सी की व्यवस्था, स्कूल में पीने के पानी की व्यवस्था तथा वृक्षारोपण इत्यादि) किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा सी.ई.आर. में शामिल किया गया है। परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :—

- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित ई.एम.पी. योजना।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 11/03/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई, जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :—

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता मार्बल — 22,500 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 59.71 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 13.41 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 04.45 लाख :—

क्रं.	सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
1	ग्राम निमास में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र को पोषण आहार उपलब्ध एवं आंगनवाड़ी का सौंदर्यीकरण कराने के लिए १ वर्ष के लिए गोद लिया जावेगा	1,00,000
2	प्राथमिक विद्यालय में सफेदी / पेंट (कक्षा और स्टाफ कक्ष)	30,000
3	निकटवर्ती प्राथमिक विद्यालय में वाटर फिल्टर (आरओ) - 1 नग. water tank	30,000
4	पास के प्राथमिक विद्यालय में बेंच और कुर्सियाँ उपलब्ध कराना	35,000
5	ग्राम निमास में 5 किलोवाट का ऑनग्रीड सोलर सिस्टम	2,50,000
<b>कुल</b>		<b>4,45,000</b>

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 12,216 वृक्षों का वृक्षारोपण :—

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

### वृक्षारोपण कार्यक्रम      स्टोन खनन क्षेत्र

क्र.	प्रस्तावित वृक्षारोपण हेतु नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	चिरोल, नीम, सीताफल, जंगल जलेबी, सिस्सू, सफेद कैस्टर, करंज, आवला एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	4072
2	गैर खनन क्षेत्र में वृक्षारोपण	मोलश्री नीम, सीताफल, जंगल जलेबी, सिस्सू, सफेद कैस्टर, करंज, आवला, चिरोल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री-गार्ड के साथ	3000
3	परिवहन मार्ग के किनारे (पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई - 01 मीटर)	करंज, महुआ, चिरोल, पुत्रंजीवा, जंगल जलेबी, नीम, मोलश्री, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	2044
4	ग्राम निवास क्षेत्र	करंज, आवला, महुआ, चिरोल, जंगल जलेबी, आवला, नीम, मोलश्री एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	3000
5	ग्रामपंचायतपरिसरमें	करंज, आवला, महुआ, मोलश्री चिरोल, जंगल जलेबी, आवला, नीम, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	100
		कुल वृक्षारोपण	12216

**13. Case No 8829/2021 M/s VDH Eco-Energy Enterprises Pvt. Ltd, Director Shri Yashvardhan Rajgadhia, 503, Jolly Bhavan No. 1, New Marine Line, Dist. Mumbai, Mah., Prior Environment Clearance for Marble Quarry in an area of 6.240 ha. (22500 Cum per annum) (Khasra No. 715, 716/1, 716/2, 716/824), Village - Nimas, Tehsil - Bahoriband, Dist. Katni (MP) Env. Consultant Shri M/s. Amaltas Enviro Industrial Consultants LLP, Gurugram.**

This is case of Marble Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 715, 716/1, 716/2, 716/824), Village - Nimas, Tehsil - Bahoriband, Dist. Katni (MP) 6.240 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 533वीं दिनांक 14/12/2021 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी ।

आज दिनांक 11/03/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री प्रभास कुमार राजगढ़िया और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए । प्रस्तुतीकरण के दौरान यह पाया गया कि खदान के उत्तर दिशा में 95 मीटर की दूरी पर कच्चा रोड है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान सामाजिक कल्याण के कार्य (जैसे आंगनवाडी में बच्चों को बस्ता



## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

एवं कुर्सी की व्यवस्था, स्कूल में पीने के पानी की व्यवस्था तथा वृक्षारोपण इत्यादि) किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा सी.ई.आर. में शामिल किया गया है। परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित ई.एम.पी. योजना।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 11/03/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई, जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता मार्बल – 22,500 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 62.42 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 13.96 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 03.95 लाख :-

क्र.	सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
1	ग्राम निमास में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र को पोषण आहार उपलब्ध एवं आंगनवाड़ी का सौंदर्यीकरण कराने के लिए 1 वर्ष के लिए गोद लिया जावेगा	1,00,000
2	प्राथमिक विद्यालय में सफेदी / पेंट (कक्षा और स्टाफ कक्ष)	30,000
3	निकटवर्ती प्राथमिक विद्यालय में वाटर फिल्टर (आरओ) - 2 नग।	30,000
4	पास के प्राथमिक विद्यालय में बेंच और कुर्सियाँ उपलब्ध कराना	35,000
5	बांधवगढ़ राष्ट्रीय पार्क में वन्यजीव को गोद लेना	2,00,000
कुल		3,95,000

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 11310 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

### वृक्षारोपण कार्यक्रम      स्टोन खनन क्षेत्र

क्र.	प्रस्तावित वृक्षारोपण हेतु नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	चिरोल, नीम, सीताफल, जंगल जलेबी, सिस्सू, सफेद कैस्टर, करंज, आवला एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	3770
2	गैर खनन क्षेत्र में वृक्षारोपण	मोलश्री नीम, सीताफल, जंगल जलेबी, सिस्सू, सफेद कैस्टर, करंज, आवला, चिरोल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री-गार्ड के साथ	2500
3	परिवहन मार्ग के किनारे (पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई - 01 मीटर)	करंज, <input type="text"/> चिरोल, पुत्रंजीवा, जंगल जलेबी, नीम, मोलश्री, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	2000
4	ग्राम निवास क्षेत्र	करंज, आवला, महुआ, चिरोल, जंगल जलेबी, आवला, नीम, मोलश्री एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	3000
5	ग्रामपंचायतपरिसरमें	करंज, आवला, महुआ, <input type="text"/> चिरोल, जंगल जलेबी, आवला, नीम, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	50
		कुल वृक्षारोपण	11310

- 14. Case No 8309/2021 Smt. Jayantibai Patidar, W/o Shri Sitaram Patidar, R/o, Village - Talawadi Road, Kukshi, Dist. Dhar, MP Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 8.0 ha. (25000 cum per annum) (Khasra No. 39/1/1), Village - Kurdipura, Tehsil - Kukshi, Dist. Dhar (MP) Env. Consultant M/s. Apex Mintech, Udaipur**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site at (Khasra No. 39/1/1), Village - Kurdipura, Tehsil - Kukshi, Dist. Dhar (MP) 8.0 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 489वीं दिनांक 12/03/2021 में टोर (TOR) की अनुशंसा की गई थी ।

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

आज दिनांक 11/03/22 को परियोजना प्रस्तावक आन-लाईन और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान यह पाया गया कि खदान के पूर्वी दिशा में 15 मीटर पर नदी है जो एम.एम.आर., 1996 के अनुसार प्रतिबंधित क्षेत्र (100 मीटर) की सीमा के अंदर है अतः 85 मीटर का सेड-बैक छोड़े जाने हेतु समिति ने निर्देशित किया। इसी प्रकार खदान क्षेत्र के दक्षिण दिशा में 230 मीटर पर आबादी तथा पश्चिम दिशा में 10 मीटर पर कच्चा रोड है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान सामाजिक कल्याण के कार्य (रोजगार एवं वृक्षारोपण) किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा सी.ई. आर. में शामिल किया गया है। समिति ने परियोजना प्रस्तावक को यह सलाह दी कि प्रस्तावित ई.एम.पी. में परिवहन मार्ग पर जल छिड़काव के फेरो की संख्या बढ़ा दी जाये ताकि इस खदान से धूल की समस्या न हो। पश्चात् परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ पूर्व दिशा में भू-सर्वेक्षण कार्य पूरी लम्बाई में किया जावे।
- ✓ पुनरीक्षित ब्लैस्टिंग स्कीम।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित ई.एम.पी. योजना।
- ✓ खदान क्षेत्र के पूर्व दिशा में 15 मीटर पर एक नदी है, अतः 85 मीटर का सेड-बैक (नॉन माईनिंग क्षेत्र)

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 11/03/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई, जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 25,000 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. खदान क्षेत्र के पूर्व दिशा में 15 मीटर पर एक नदी है, अतः 85 मीटर का सेड-बैक (नॉन माईनिंग क्षेत्र) छोड़ा जाये।
3. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 20.60 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 1.80. लाख प्रति वर्ष।
4. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 2.25 लाख :-

क्रं.	सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
1.	ग्राम कुर्दिगपुरा, गिरवन्या, रोजा, मोगरा में वर्ष में 02 चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा.	25, 000

**559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 11 मार्च 2022**

2.	ग्राम कुर्दिगपुरा में एक बोरवेल ओर पानी की टंकी का निर्माण ।	1,70,000
3.	ग्राम कुर्दिगपुरा में पोषण आहार वितरण	30, 000
<b>Total</b>		<b>2,25, 000</b>

5. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 9600 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

पौधों का प्रस्तावित स्थान	लगाए जाने वाले पौधों के प्रकार	मात्रा
हरित पट्टी (7.5 मीटर बैरियर जोन)	नीम, पीपल, करंज, कदम, चिरोल, सिस्सू, जंगल जलेबी, कचनार एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	3000
नॉन माईनिंग जोन	नीम, पीपल, करंज, कदम, चिरोल, जंगल जलेबी कचटार एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	4100
ग्रामीणों में पौधों का वितरण	आम, जामुन, अमरूद, आंवला, अनार, नीबू, इमली, कटहल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	2000
पट्टा क्षेत्र के बाहर अप्रोच रोड के दोनों ओर (पेड़ों की न्यूनतम ऊंचाई – 01 मीटर)	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ, ट्री गार्ड सहित ।	500
योग		9600

- 15. Case No 7995/2020 M/s Banafar Granite Industries, Village - Prakash Bamhori, Tehsil - Gaurihar, Dist. Chhatarpur, MP – 471510 Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 3.688 ha. (130758 cum per annum) (Khasra No. 1680, 1683/1, 1700, 1682, 1701, 1684/2), Village - Prakash Bamhori, Tehsil - Gaurihar, Dist. Chhatarpur (MP) Env. Consultant M/s. A-Series Envirotech India Pvt. Ltd. Lucknow,UP.**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1680, 1683/1, 1700, 1682, 1701, 1684/2),

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

Village - Prakash Bamhori, Tehsil - Gaurihar, Dist. Chhatarpur (MP) 3.688 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 473वीं दिनांक 07/01/2021 में टोर (TOR) की अनुशंसा की गई थी ।

आज दिनांक 11/03/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए । प्रस्तुतीकरण के दौरान यह पाया गया कि खदान के पूर्व दिशा में 220 मीटर पर शेड है तथा खदान में केशर स्थापित है । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह पुराना केशर है, जो उनका नहीं है तथा पूर्व से स्थापित है जिसको खदान संचालन के पूर्व हटा लिया जायेगा । परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान सामाजिक कल्याण के कार्य (गांव के लोगो के स्वास्थ्य की जाँच, जल छिड़काव, वृक्षारोपण का लक्ष्य एवं रोजगार) किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा सी.ई.आर. में शामिल किया गया है । लीज क्षेत्र में 05 बबूल के पेड़ हैं, जो काटेंगे, जिनके एवज में 50 पेड़ लगाये जायेंगे। समिति ने परियोजना प्रस्तावक को यह सलाह दी कि प्रस्तावित ई.एम.पी. में परिवहन मार्ग पर जल छिड़काव के फेरो की संख्या बढ़ा दी जाये ताकि इस खदान से धूल की समस्या न हो तथा खनिज का परिवहन 40 टन क्षमता के ट्रक से किया जाये जिससे फेरों की संख्या में कमी आवे । पश्चात् परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना ।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित ई.एम.पी. योजना ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 11/03/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई, जो संतोषजनक पाई गई । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 1,30,758 मी.<sup>3</sup> प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 07.16 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 01.14 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 1.60 लाख :-

क्रं.	जन सुनवाई आधारित सीईआर गतिविधियां	राशि रु. में
01	ग्राम मानपुर में सबमर्सिबल पंप के साथ 2 हैंडपंप की स्थापना कराया जाएगा ।	40,000/-

**559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 11 मार्च 2022**

02	ग्राम मानपुर के प्राथमिक विद्यालय में दीवार की मरम्मत व शौचालय का दरवाजा लगवाया जाएगा।	60,000 /—
03	स्थानीय ग्रामीणों के लिए बीपी व शुगर पेशेंट के लिए मेडिकल कैप लगवाएंगें। (वर्ष में 02 बार)	60,000 /—
सड़क का निर्माण		ईएमपी में पहले से ही शामिल है।
ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण		
पर्यावरण मंजूरी मिलने के बाद ग्राम मानपुर के 36 लोगों को रोजगार दिया जाएगा।		
(आगामी एक वर्ष तक) योग		1,60,000 /—

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4500 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्रमांक	वृक्षारोपण	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन	सिस्सू, नीम, पीपल, बरगद, खमैर, चिरौल, बबूल, सीताफल, करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	2257
2	परिवहन मार्ग(पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई - 01 मीटर)	नीम, पीपल, चिरौल, करंज, महुआ एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ,	1158
3	ग्रामवासियों में वितरण हेतु	बेल, इमली, आंवला, मुनगा, आम, अमरुद एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	1055
4	विद्यालय में	कदंब, अमलतास, अशोक, नीम, कचनार एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	30
योग			4500

(ए.ए. मिश्रा)  
सदस्य सचिव

(डॉ. पी.सी. दुबे)  
अध्यक्ष

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

**Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:**

**Annexure- 'A'**

**Standard conditions applicable to Stone/Murram and Soil quarries:**

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora, fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
  - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
  - b. Mining Lease area of the project (in ha.)
  - c. Production capacity of the project.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.



## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

36. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

37. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

**नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

**नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

**नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।

**नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई -

**नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

**नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माइनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड़ साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

**नोट 7 :-** बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख -

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

### Annexure- 'B'

#### Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries\*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.

8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be  $1/4^{\text{th}}$  or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.
15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.
18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.
27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
  - a. Lease owner's Name, Contact details etc.

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

- b. Mining Lease area of the project (in ha.)
  - c. Production capacity of the project.
30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA's instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
  - i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
  - ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
  - iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
  - iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
  - v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.
  - vi. The mining activity shall be monitored by the Taluk level Force once in a month by conducting physical verification.
  - vii. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
  - viii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.
  - ix. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.
31. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
38. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।
 

**नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

**नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

**नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए ।

**नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई –

**नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए ।

**नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड़ साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक ।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई ।		

**नोट 7 :-** बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण । जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण ।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना ।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना ।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है ।

### Annexure- 'C'

#### Standard conditions applicable for the Sand deposits on Agricultural Land/ Khodu Bharu Type Sand Mine Quarries\*

1. Mining should be done only to the extent of reclaiming the agricultural land.
2. Only deposited sand is to be removed and no mining/digging below the ground level is allowed.
3. The mining shall be carried out strictly as per the approved mining plan.
4. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
5. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
6. The mining activity shall be done as per approved mine plan and as per the land use plan submitted by PP.
7. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
8. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
9. For carrying out mining in proximity to any bridge and/or embankment, appropriate safety zone on upstream as well as on downstream from the periphery of the mining site shall be ensured taking into account the structural parameters, location aspects, flow rate, etc., and no mining shall be carried out in the safety zone.
10. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
11. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 issued by the MoEF&CC.
12. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
13. Thick plantation shall be carryout on the banks of the river adjacent to the lease, mineral evacuation road and common area in the village. PP would maintain the plants for five years including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations.

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

14. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
15. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
16. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
24. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
25. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
26. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
  - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
  - b. Mining Lease area of the project (in ha.)
  - c. Production capacity of the project.
27. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the nearby river banks for bank stabilization and to check soil erosion while dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
28. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
29. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme.
30. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.

31. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. Plantation in adjoining forest land shall be carried out through concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
32. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
33. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
34. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
36. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

**नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

**नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

**नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।

**नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई -

**नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

**नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड़ साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

**नोट 7 :-** बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख -

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियों आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

### Annexure- 'D'

#### General conditions applicable for the granting of TOR

1. The date and duration of carrying out the baseline data collection and monitoring shall be informed to the concerned Regional Officer of the M.P Pollution Control Board.

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

2. During monitoring, photographs shall be taken as a proof of the activity with latitude & longitude, date, time & place and same shall be attached with the EIA report. A drone video showing various sensitivities of the lease and nearby area shall also be shown during EIA presentation.
3. An inventory of various features such as sensitive area, fragile areas, mining / industrial areas, habitation, water-bodies, major roads, etc. shall be prepared and furnished with EIA.
4. An inventory of flora & fauna based on actual ground survey shall be presented.
5. Risk factors with their management plan should be discussed in the EIA report.
6. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
7. The EIA document shall be printed on both sides, as far as possible.
8. All documents should be properly indexed, page numbered.
9. Period/date of data collection should be clearly indicated.
10. The letter /application for EC should quote the SEIAA case No./year and also attach a copy of the letter prescribing the TOR.
11. The copy of the letter received from the SEAC prescribing TOR for the project should be attached as an annexure to the final EIA/EMP report.
12. The final EIA/EMP report submitted to the SEIAA must incorporate all issues mentioned in TOR and that raised in Public Hearing with the generic structure as detailed out in the EIA report.
13. Grant of TOR does not mean grant of EC.
14. The status of accreditation of the EIA consultant with NABET/QCI shall be specifically mentioned. The consultant shall certify that his accreditation is for the sector for which this EIA is prepared. If consultant has engaged other laboratory for carrying out the task of monitoring and analysis of pollutants, a representative from laboratory shall also be present to answer the site specific queries.
15. On the front page of EIA/EMP reports, the name of the consultant/consultancy firm along with their complete details including their accreditation, if any shall be indicated. The consultant while submitting the EIA/EMP report shall give an undertaking to the effect that the prescribed TORs (TOR proposed by the project proponent and additional TOR given by the MOEF & CC) have been complied with and the data submitted is factually correct.
16. While submitting the EIA/EMP reports, the name of the experts associated with involved in the preparation of these reports and the laboratories through which the samples have been got analyzed should be stated in the report. It shall be indicated whether these laboratories are approved under the Environment (Protection) Act, 1986 and also have NABL accreditation.
17. All the necessary NOC's duly verified by the competent authority should be annexed.
18. PP has to submit the copy of earlier Consent condition /EC compliance report, whatever applicable along with EIA report.
19. The EIA report should clearly mention activity wise EMP and CER cost details and should depict clear breakup of the capital and recurring costs along with the timeline for incurring the capital cost. The basis of allocation of EMP and CER cost should be detailed in the EIA report to enable the comparison of compliance with the commitment by the monitoring agencies.
20. A time bound action plan should be provided in the EIA report for fulfillment of the EMP commitments mentioned in the EIA report.
21. The name and number of posts to be engaged by the PP for implementation and monitoring of environmental parameters should be specified in the EIA report.
22. EIA report should be strictly as per the TOR, comply with the generic structure as detailed out in the EIA notification, 2006, baseline data is accurate and concerns raised during the public hearing are adequately addressed.
23. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
24. Public Hearing has to be carried out as per the provisions of the EIA Notification, 2006. The issues raised in public hearing shall be properly addressed in the EMP and suitable budgetary allocations shall be made in the EMP and CER based on their nature.
25. Actual measurement of top soil shall be carried out in the lease area at minimum 05 locations and additionally N, P, K and Heavy Metals shall be analyzed in all soil samples. Additionally in one soil sample, pesticides shall also be analyzed.
26. A separate budget in EMP & CER shall be maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.

## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

27. PP shall submit biological diversity report stating that there is no adverse impact in- situ and on surrounding area by this project on local flora and fauna's habitat, breeding ground, corridor/ route etc. This report shall be filed annually with six-monthly compliance report.
28. The project proponent shall provide the mitigation measures as per MoEFCC's Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area" with EIA report.
29. LPG gas shall be provided for camping labour under "Ujjwala Yojna".
30. In the project where ground water is proposed as water source, the project proponent shall apply to the competent authority such as Central Ground Water Authority (CGWA) as the case may be for obtaining, No Objection Certificate (NOC).
31. Consideration of mining proposals involving violation of the EIA Notification, 2006, the project proponent shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court of India dated 02/08/2017 in WP © No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause V/s Union of India & others before grant of TOR/EC. The undertaking inter-alia includes commitment of the PP not to repeat any such violation in future as per MoEF&CC OM No. F.NO. 3-50/2017-IA.III (Pt.) dated 30/05/2018.
32. The mining project proponents involving violations of the EIA Notification, 2006 under the provisions of S.O. 804 (E) dated 14/03/2017 and subsequent amendments for TOR/EC shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court dated the 2<sup>nd</sup> August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors. Before grant of TOR/EC the undertaking inter-alia include commitment of the PP not to repeat any such violation of future. In case of violation of above undertaking, the TOR/Environmental Clearance shall be liable to be terminated forthwith.
33. Under CER scheme commitments with physical targets shall be included in EIA report for:
  - ✓ Proposal for CER activities based upon commitment made during public hearing and COVID-19 pandemic.
  - ✓ Activities such as solar panels in school, awareness camps for Oral Hygiene, Diabetes and Blood Pressure, works related to plantation (distribution of fruit & fodder bearing trees) vaccination, cattle's health checkup etc. in concerned village shall be proposed.
  - ✓ No fuel wood shall be used as a source of energy by mine workers. Thus proposal for providing solar cookers / LPG gas cylinders under "Ujjwala Yojna" to them who are residing in the nearby villages, shall be considered.
  - ✓ PP's commitment that activities proposed in the CER scheme will be completed within initial 03 years of the project and in the remaining years shall be maintained shall be submitted with EIA report.
34. Under Plantation Scheme commitments with budgetary allocations shall be included in EIA report for :
  - ✓ Comprehensive green belt plan with commitment that entire plantation shall be carried out in the initial three years and will be maintained thereafter with causality replacement. Proposal for distribution of fruit bearing species for nearby villagers shall also be incorporated in the plantation scheme and for which a primary survey for need assessment in concerned village shall be carried out.
  - ✓ Commitment that plantation shall be carried out preferably through Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
  - ✓ Commitment that high density plantation (preferably using "Miyawaki Technique or WALMI technique) shall be developed in 7.5m barrier zone left for plantation through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency.
  - ✓ Commitment that local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land suitable for the purpose through Gram Panchayat on suitable community land in the concerned village area and handed over to Gram Panchayat after lease period.
  - ✓ PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.



## 559वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 11 मार्च 2022

- ✓ Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, minimum 50 saplings be planted considering 80% survival.
  - ✓ Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

- नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।
- नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।
- नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।
- नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई –
- नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।
- नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड़ साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

**नोट 7 :-** बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

**FOR PROJECTS LOCATED IN SCHEDULED (V) TRIBAL AREA , following should be studied and discussed in EIA Report before Public Hearing as per the instruction of SEIAA vide letter No. 1241 dated 30/07/2018.**

36. Detailed analysis by a National Institute of repute of all aspects of the health of the residents of the Schedule Tribal block.
37. Detailed analysis of availability and quality of the drinking water resources available in the block.
38. A study by CPCB of the methodology of disposal of industrial waste from the existing industries in the block, whether it is being done in a manner that mitigate all health and environmental risks.
39. The consent of Gram Sabah of the villages in the area where project is proposed shall be obtained.